**संख्या-490/2022/आई/215807/41-1002(001)/124/2021/2635/002-41-2022-30 budget 2021**

प्रेषक,

संजीव कुमार श्रीवास्तव
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0
लखनऊ।

पर्यटन अनुभाग

लखनऊ, दिनांक 20 सितम्बर 2022

विषय- जनपद आगरा में मा0 पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के ग्राम बटेश्वर में स्थित बटेश्वर धाम के पर्यटन विकास कार्य हेतु अवशेष धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

---

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक अपने पत्रांक-3292/6-1-1(1359)/2021-22 दिनांक 05-08-2022 का संदर्भ ग्रहण करे।

2. वित्तीय वर्ष 2021-22 में राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद आगरा में मा0 पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के ग्राम बटेश्वर में स्थित बटेश्वर धाम के पर्यटन विकास कार्य हेतु नामित कार्यदायी संस्था यू0पी0पी0सी0एल0 के पक्ष में शासनादेश सं0-650/2021/आई/116250/41-1002(001)/124/2021-30(बजट)/2021 दिनांक 24 नवम्बर 2021 द्वारा रू0 799.89 लाख की प्रशासकीय एवं प्रथम किश्त के रूप में रू0 10.00 लाख की वित्तीय स्वीकृति निर्गत की गई थी। तदनन्तर शासनादेश सं0-97/2022/591/41-2022/30(बजट)/2021 दिनांक 15-3-2022 द्वारा प्रायोजना की द्वितीय किश्त के रूप में रू0 100.00 लाख (रू0- एक करोड मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। उक्त पृष्ठभूमि में महानिदेशक पर्यटन द्वारा उल्लिखित पत्र दिनांक 5 अगस्त 2022 के माध्यम से अभी तक अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष उपयोगिता प्रमाण पत्र , फोटोग्राफ्स , प्रायोजना की निविदा लागत आदि उपलब्ध कराते हुये प्रायोजना की अवशेष धनराशि अवमुक्त करने का अनुरोध किया गया है। प्रायोजना की टेण्डर लागत रू0 68629899.00 पर सेन्टेज (12.5% ) रू0 8578737.375 , लेबर सेस (1%) रू0 686298 .99 के आधार पर प्रायोजना की लागत रू0 77894935.365 + जी0एस0टी0 आंकलित होती है। इस प्रकार प्रायोजना की स्वीकृत लागत रू0 799.89 लाख + जी0एस0टी0 के सापेक्ष टेण्डर लागत के आधार पर 778.95 लाख + जी0एस0टी0 बनती है। पूर्व में प्रायोजना पर रू0 110.00 लाख अवमुक्त हो चुकी है तथा अवशेष धनराशि रू0 668.95 लाख अवमुक्त होना शेष है।

3- उक्त परिप्रेक्ष्य में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रायोजना के अग्रतर कार्यों को कराये जाने हेतु एतदद्वारा अवशेष धनराशि रू0 668.95 लाख **(**रुपये छ करोड अडसठ लाख पन्चानवे हजार मात्र**)** की वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल इस शर्त के अधीन प्रदान करते हैं कि पर्यटन निदेशालय द्वारा धनराशि के आहरण /भुगतान से पूर्व यह सुनिश्चित किया जायेगा कि किसी भी दशा में टेण्डर लागत के आधार पर आ रही वास्तविक लागत से अधिक का भुगतान न हो।

4- उपरोक्त प्रस्तर-3 में अवमुक्त की जा रही धनराशि को आहरित/अवमुक्त करने से पूर्व निम्नांकित शर्तों एवं प्रतिबंधो का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा :-

(1) प्रश्नगत परियोजना हेतु अवमुक्त की जा रही धनराशि कार्यदायी संस्था को उपलब्ध कराने के पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि इस संबंध में शासनादेश सं0-650/2021/आई/116250/41-1002(001)/124/2021-30(बजट)/2021 दिनांक 24

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up. gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up. gov.in

नवम्बर 2021 एवं शासनादेश सं0-97/2022/591/41-2022/30(बजट)/2021 दिनांक 15-3-2022 में अंकित शर्तों व प्रतिबन्धो का अनुपालन पूर्णतया करा लिया गया है।

(2) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय वित्त (आय - व्ययक ) अनुभाग -1 के शासनादेश संख्या:13/2022/बी-1-454/ दस-2022- 231/2022 दिनांक- 07 जून 2022 में निहित शर्तों एवं प्राविधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा, अर्थात् स्वीकृत धनराशि का व्यय किसी अन्य प्रयोजन हेतु कदापि नहीं किया जायेगा। उक्त कार्यों को अनुमोदित लागत की सीमान्तर्गत ही कराया जायेगा तथा कार्यदायी संस्था को अनुमोदित लागत के अतिरिक्त कोई अन्य धनराशि/चार्जेज नही दिया जायेगा। कार्य पूर्ण होने पर कार्यदायी संस्था से कार्य के सम्प्रेक्षित लेखे अवश्य प्राप्त कर लिये जायेंगे।

(3) प्रायोजना के निर्माण कार्य में वस्तु एवं सेवाकर (जी0एस0टी0) की धनराशि कार्यदायी संस्था को वास्तविक भुगतान के अनुसार नियमानुसार अनुमन्य होगी तथा इस सम्बन्ध में कार्यदायी संस्था द्वारा जी0एस0टी0 भुगतान के सम्बन्ध में ***तिथिवार विवरण एवं प्रामाणिक प्रपत्र –जी0एस0टी0 इन्वायस*** सक्षम स्तर से महानिदेशक पर्यटन के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। उक्त के अतिरिक्त लेबरसेस के रूप में प्रदान की गयी धनराशि श्रम विभाग को भुगतान किये जाने का प्रमाण पत्र कार्यदायी संस्था से प्राप्त कर शासन को उपयोगिता प्रमाण पत्र के साथ उपलब्ध कराया जायेगा ।

(4) यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जायेगा कि कार्यों की गुणवत्ता उच्चकोटि की हो तथा समय-समय पर कार्यदायी संस्था द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों का पर्यवेक्षण (मानीटरिंग) महानिदेशक, पर्यटन द्वारा सुनिश्चित कराया जाय। स्वीकृत धनराशि कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(5) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा वित्त विभाग के संगत नियमों के अनुसार किया जायेगा। वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 07 जून 2022 में दी गयी व्यवस्थानुसार प्रश्नगत निर्माण कार्य हेतु अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा दो-दो माह की आवश्यकता के लिए आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरण कर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायी जायेगी तथा कार्यदायी संस्था द्वारा प्राप्त धनराशि का 75 प्रतिशत उपयोग करने के उपरान्त अगले दो माह के लिए पुन: आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरित कर दी जायेगी। इसका अनुपालन महानिदेशक**,** पर्यटन द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा।

(6) प्रश्नगत परियोजना में होने वाले निर्माण कार्य के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि निर्माण कार्य आगणन के अनुरूप उसके तकनीकी अनुमोदन के अनुसार किया किया गया है तथा परियोजना को कार्यदायी संस्था से हस्तगत कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करा लिया जायेगा एवं निर्मित परिसम्पत्ति का समुचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जायेगा एवं इसकी अद्यतन प्रगति रिपोर्ट ई-परियोजनाओं की समीक्षा के पोर्टल पर अंकित कराते हुए शासन को अवगत कराया जायेगा।

(7) परियोजना में टाइम ओवर-रन/कास्ट ओवर-रन को नियन्त्रित करने के सम्बन्ध में वित्त(आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-07/2017/बी-1-823/दस-2017-एम-04/2017 दिनांक 21 जून, 2017 में दिये गये निर्देशों तथा बजट मैनुअल के प्रस्तर-212 ( **VII**) में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(8) परियोजना में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी निर्धारित प्रपत्र पर सक्षम स्तर से शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। सोशल आडिट से सम्बन्धित व्यवस्था/नियमों का भी पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। परियोजना में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी।

(9) यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उपरोक्तांकित स्वीकृत योजनान्तर्गत कार्यों हेतु किसी अन्य स्रोतों से धनराशि प्राप्त न की गयी हो। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि इस योजना की वर्तमान तथा भविष्य में अन्य योजनाओं में द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति न हो और

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up. gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.gov.in

इसके रख-रखाव हेतु राज्य सरकार के ऊपर व्यय-भार न पड़े। कार्यदायी संस्था से कार्य की समाप्ति के पश्चात सम्प्रेक्षित लेखे अनिवार्य रूप से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जाय।

(10) अवमुक्त की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा नियमानुसार किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को बैंक खाते आदि में नही रखा जायेगा। कार्यदायी संस्था द्वारा शासकीय धन पर यदि ब्याज अर्जित किया गया है तो उसे अनिवार्य रूप से राजकोष में जमा कराना सुनिश्चित किया जाय। यह भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि आगणन में बाट आउट एवं प्रोप्राइटरी श्रेणी के कार्यों पर सेन्टेज का भुगतान अनुमन्य न किया जाय। इसका अनुपालन पर्यटन निदेशालय एवं कार्यदायी संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
(11) प्रायोजना की अवशेष धनराशि की वित्तीय स्वीकृति कार्यदायी संस्था/संयुक्त निदेशक पर्यटन आगरा एवं महानिदेशक पर्यटन उ0प्र0 लखनऊ द्वारा प्रेषित मांग एवं अभिलेखों के आधार पर अवमुक्त की गई है। अत: यदि परियोजना के मानक एवं अन्य बिन्दुओं के सम्बन्ध में कोई सूचना भविष्य में गलत पायी जाती है तो इसका पूर्ण उत्तदायित्व कार्यदायी संस्था/संयुक्त निदेशक पर्यटन आगरा एवं महानिदेशक पर्यटन उ0प्र0 लखनऊ का होगा। प्रश्नगत परियोजना हेतु अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष वास्तविक रूप से व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र/कार्य की गुणवत्ता एवं फोटोग्राफ्स आदि सक्षम स्तर से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
(12) महानिदेशक पर्यटन द्वारा कार्य पूर्ण होने के उपरान्त कार्यदायी संस्था से सम्प्रेक्षित लेखे अवश्य प्राप्त किये जायेंगे।
5- इस संबंध में होने वाला व्यय रुपये 6,68,95,000 ( रुपये छह करोड़ अड़सठ लाख पंचानबे हजार मात्र ) को चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक मे अनुदान संख्या 044 लेखा शीर्षक 5452801040800 मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों का विकास मानक मद 24 वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
6- यह आदेश वित्त (आय - व्ययक ) अनुभाग - 1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या - 13 / 2022/ बी-1-454/दस-2022-231/2022, दिनांक- 07-जून 2022 में प्रशासकीय विभाग को उक्तवत प्रतिनिधानित अधिकार के अंतर्गत निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।

**संख्या एवं दिनांक तदैव**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
2- महालेखाकार (लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
3- निदेशक , पर्यटन निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ।
4- जिलाधिकारी आगरा।
5- मुख्य कोषाधिकारी (जवाहर भवन) ,लखनऊ।
6- संबंधित कोषाधिकारी ,आगरा ।
7- प्रबंध निदेशक, यू0पी0पी0सी0एल0, लखनऊ।
8- परियोजना प्रबंधक, यू0पी0पी0सी0एल0, आगरा।
9- वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
10- श्री दिनेश कुमार उप निदेशक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
11- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7
12- वेब अधिकारी, पर्यटन विभाग ।
13- गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up. gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up. gov.in से सत्यापित की जा सकती है।